प्रत्याशियों पर भारी पड़ेंगे चुनाव के 65 दिन

गौतमबुद्धनगर में चौथे चरण में मतदान, ज्यादा दिन ज्यादा खर्च ने बढ़ा दी चिंता

● अमर उजाला ब्यूरो

नोएडा। गौतमबुद्धनगर लोकसभा सीट पर मतदान 7 मई को होगा। सोमवार को चुनाव कार्यक्रम की घोषणा के बाद से ज्यादातर दलों की चिंता में इजाफा हो गया। महीने भर पहले से तैयारी में जुटे कई प्रत्याशियों के लिए मतदान तक का लंबा सफर दिक्कतों से भरा होगा। 65 दिन का यह अंतराल उनके चुनाव को न सिर्फ महंगा कर देगा बल्कि इस दौरान ऊंट किस करवट बैठेगा इसका अंदाजा लगाना भी मुश्किल हो जाएगा।

गौतमबुद्धनगर लोकसभा सीट पर चुनाव के लिए भाजपा, कांग्रेस, बसपा और सपा के अलावा छोटी पार्टियों और कुछ निर्दलियों ने अपनी तैयारी एक महीना पहले से ही शुरू कर दी है। पार्टियों द्वारा घोषित कुछ प्रत्याशियों ने तो जगह-जगह आयोजन और प्रचार तेज कर दिया है। उन्हें यह उम्मीद थी कि यहां पहले चरण का चुनाव हो सकता है जबकि हुआ उल्टा। चौथे चरण में मतदान के लिए अब भी प्रत्याशियों के पास 65 दिन का समय होगा। चुनाव की जिम्मेदारी निभा चुके पार्टियों के कुछ नेताओं की मानें तो इतना लंबा चुनाव प्रत्याशियों का आर्थिक समीकरण बिगाड़ देगा। पहले चरण के मतदान के साथ ही हर दिन का खर्च बढ़ने लगता है। जैसे-जैसे मतदान का समय नजदीक आता है यह खर्च कई गुना तक बढ़ जाता है। ऐसे में कई बार ठीक खातिर न होने पर कार्यकर्ता ही अंदरूनी तौर पर नाखुश हो जाता है। कार्यकर्ताओं की नाराजगी का संदेश ही मतदान को प्रभावित कर सकता है। बसपा नेता सुरेंद्र सिंह नागर और भाजपा प्रत्याशी डॉ. महेश शर्मा ने माना कि लंबा चुनाव आर्थिक रूप से भारी पड़ेगा। चुनाव की घोषणा के साथ ही ज्यादातर पार्टियों ने ऐसे 'मैनेजरों' को तलाशना शुरू कर दिया है जो कम से कम खर्चे पर चुनाव करा सकें।

चुनाव कार्यक्रम पर एक नजर

नामांकन : 11 से 18 अप्रैल तक

नामांकन पत्रों की छटनी : 20 अप्रैल

नाम वापसी : 22 अप्रैल को

मतदान : 7 मई को

मतगणना : 16 मई को

साढ़े बारह लाख मतदाता करेंगे फैसला

नये परिसीमन के बाद गौतमबुद्धनगर की लोकसभा सीट पर साढ़े बारह लाख से ज्यादा मतदाता प्रत्याशियों के भाग्य का फैसला करेंगे। हालांकि अब तक मतदाता सूची का प्रकाशन नहीं हुआ है। वोटर आई कार्ड को सुधारने का काम भी चल रहा है। निर्वाचन कार्यालय से मिली सूचना के अनुसार अब तक साढ़े बारह लाख मतदाताओं का नाम शामिल हो चुका है। सूची का प्रकाशन भी जल्दी हो जाएगा। हर किसी को मतदान की सहूलियत का आयोग का दावा फिलहाल तो पूरा होता नजर नहीं आ रहा है। क्योंकि न सिर्फ हजारों मतदाता पहचान पत्रों में गड़बड़ी पाई गई है बल्कि बड़ी तादाद उनकी भी है जिनका अब तक नाम ही मतदाता सूची में नहीं जुड़ा है। गौतमबुद्धनगर लोक सभा क्षेत्र में नोएडा (नई विधान सभा), दादरी, सिकंदराबाद, जेवर और खुर्जा विधान सभा शामिल की गई हैं। पहले दादरी में ही नोएडा शामिल था।

पीपीआई से जुड़ने लगे प्रोफेशनल्स

चुनावों की घोषणा होते ही यहां के प्रोफेशनल्स भी हरकत में आ गए हैं। देशभर के तमाम प्रोफेशनल्स ने मिलकर एक प्रोफेशनल्स पार्टी ऑफ इंडिया यानी पीपीआई का गठन किया है। यह पार्टी तेजी से प्रोफेशनल्स के बीच सक्रिय है और ज्यादा से ज्यादा सदस्य बनाने में जुटी है। बंग्लौर, मुंबई और पुणे में बड़ी संख्या में लोग इस पार्टी से जुड़ चुके हैं।

दिल्ली चैप्टर के अध्यक्ष इंजीनियर मुकेश शुक्ला ने बताया कि उनकी पार्टी नोएडा, साहिबाबाद, गाजियाबाद, गुड़गांव और फरीदाबाद में इंडस्ट्रीज आदि से जुड़े प्रोफेशनल्स के बीच संपर्क बढ़ाया जा रहा है। सदस्यता अभियान को भी तेज किया गया है। उन्होंने बताया कि वेबसाइट के अलावा मेल के जरिए भी लोगों तक संपर्क साधा जा रहा है। शुक्ला के अनुसार उनके राष्ट्रीय अध्यक्ष आरवी कृष्णन ने इस चुनाव में 12 प्रत्याशी उतारने का निर्णय लिया है। यह संख्या बढ़ भी सकती है।